दैनिक भास्कर

दिल्ली.एनसीआर

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए ग्लोबल बिड जारी, जनवरी या फरवरी 2020 से काम शुरू

जेवर में देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनाने की तैयारी शुरू, 2023 तक बन कर होगा तैयार

भास्कर न्यूज | ग्रेटर नोएडा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण कार्य जनवरी या फरवरी 2020 से शुरू कर दिया जाएगा। इस एयरपोर्ट से पहली फ्लाइट 2023 में शुरू होने की उम्मीद है। पहले चरण में 2 रनवे वाला एयरपोर्ट तैयार किया जाएगा। हालांकि, इस एयरपोर्ट को 6 रनवे का बनाने के लिए यूपी मंत्री परिषद से मंजूरी मिल गई है। जिसे अलग-अलग चार चरणों में 2039 में पूरा किए जाने की उम्मीद है। इस तरह यह देश का पहला इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा जिसमें 6 रनवे होंगे। अभी भारत में अधिकतम 2.5 रनवे का एयरपोर्ट सिर्फ दिल्ली स्थित आईजीआई एयरपोर्ट है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट निर्माण के लिए बनाई गई नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड जेवर (एनआईएएल) की तरफ से गुरुवार को ग्लोबल बिड भी जारी कर दी गई। इस बिड से 29 नवंबर 2019 को निर्माण कार्य करने वाली कंपनी का चयन कर लिया जाएगा।

एनआईएल के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि यह देश का पहला ऐसा एयरपोर्ट होगा जिसके निर्माण कार्य के लिए फंडिंग पैटर्न यात्रियों की संख्या के आधार पर रखा गया है। अभी तक इंडिया में जितने भी एयरपोर्ट बनाए गए हैं वह प्रॉफिट शेयरिंग के आधार पर आधारित रहे हैं।

नोएडा एयरपोर्ट : एक नजर में ...

2003 में पहली बार एयरपोर्ट बनाने को लेकर हुआ था सर्वे पर फिर योजना लटक गई

2017 में राज्य में नई सरकार बनने के बाद परियोजना में आई तेजी और अब 30 मई को ग्लोबल बिड भी लॉन्च

1334 हेक्टेयर जमीन पर बनेगा नोएडा एयरपोर्ट, इसमें 1239 हेक्टेयर प्राइवेट व 95 हेक्टेयर सरकारी जमीन है

2637 परिवारों को शिफ्ट किया जाएगा। जमीन खरीदने और परिवारों को शिफ्ट करने में 4086 करोड़ होंगे खर्च

ग्लोबल बिड की शर्त

पिछले वित्तीय वर्ष में बिडर की नेटवर्थ 1250 करोड़ रुपए से कम नहीं होनी चाहिए।

पिछले 10 वर्षों में कंपनी 10 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाएं पूरी कर चुकी हो।

शुरुआती साल में ही 50 लाख पैसेंजर की जताई उम्मीद

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड जेवर के सीईओ अरुणवीर सिंह ने गुरुवार को निर्माण कार्य के लिए ग्लोबल टेंडर जारी किया। उन्होंने बताया कि इस एयरपोर्ट प्रोजेक्ट की कुल अनुमानित लागत 15,754 करोड़ रुपए होगी। उन्होंने बताया कि अभी 6 लेन से ज्यादा के एयरपोर्ट दुनिया के कुछ ही देशों में हैं। इस एयरपोर्ट को कुल चार चरण में बनाया जाएगा। जिसके पहले चरण में 4086 करोड़ रुपए खर्च कर 2023 तक 2 रनवे का एयरपोर्ट बना लिया जाएगा। इसके बाद 2030 तक दूसरा, 2035 तक तीसरा और 2039 तक चौथे चरण को पूरा किया जाएगा।

उन्होंने 50 लाख यात्रियों की उम्मीद जताई

दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर 2030 तक क्षमता से ज्यादा होंगे यात्री

एनसीआर में दिल्ली में इंटरनेशनल एयरपोर्ट होने के बाद भी 150 किमी के दायरे में नोएडा में दूसरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने को मंजूरी दी गई। इसके पीछे दरअसल बड़ी वजह ये है कि दिल्ली आईजीआई एयरपोर्ट की क्षमता 60 मिलियन तक की ही है। इसमें ट्रैफिक 11 फीसदी की दर से बढ़ रहा है। ऐसे में 2030 तक यहां 150 मिलियन यात्रियों की क्षमता की जरूरत होगी। जबकि आईजीआई एयरपोर्ट पर 2030 तक अधिकतम 110-115 मिलियन क्षमता तक की ही बढ़ोतरी की जा सकती है। इसलिए आईजीआई एयरपोर्ट पर बढ़ने वाले दबाव को कम करने के लिए नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाना जरूरी हो गया था।

पहली बार ओईसीडी देश होंगे बिड में शामिल

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश का पहला एयरपोर्ट होगा जिसकी बिड में ओईसीडी (आर्थिक सहयोग और विकास संगठन) के सदस्य देशों को भी समान वरीयता के साथ शामिल होने का मौका दिया जा रहा है। इससे पहले इंडिया में बने एयरपोर्ट के लिए जारी बिड में ओईसीडी देशों को शामिल नहीं किया जाता था। बता दें कि इस संगठन में 36 सदस्य देश हैं जिनमें ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, कनाडा, डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी, यूनान, यूएसए समेत कई शामिल हैं। इस एयरपोर्ट को बनाने वाली कंपनी को इसके संचालन पर 40 साल तक ही अधिकार होगा।

इधर मेट्रो की डीपीआर को मंजूरी, जिस दिन होगी पहली उड़ान, उसी दिन चलेगी मेट्रो

भास्कर न्यूज | नोएडा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से ग्रेटर नोएडा को जोड़ने वाली मेट्रो को मंजूरी मिल गई है। इसे यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण की 65वीं बोर्ड बैठक में हरी झंडी मिली। प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि इस मेट्रो लाइन को उसी दिन शुरू किया जाएगा जिस दिन से जेवर एयरपोर्ट की पहली उड़ान शुरू होगी। इस मेट्रो नेटवर्क को नॉलेज पार्क-2 मेट्रो स्टेशन से जोड़ा जाएगा। इस मेट्रो ट्रैक पर तीन लाइनें होंगी। जिसमें एक मेट्रो एयरपोर्ट तक नॉन स्टॉप जाएगी। वहीं, अन्य लाइन पर नॉलेज पार्क-2 से एयरपोर्ट के बीच आने वाले 25 स्टेशनों तक आवाजाही के लिए होंगी। इस मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए कुल करीब 7 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे।

- जेवर एयरपोर्ट को मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी से जोड़ा जाएगा। इसके लिए दिल्ली-मेरठ के बीच प्रस्तावित रैपिड रेल को भी दिल्ली के न्यू अशोक नगर स्टेशन से जेवर की लाइन से जोड़ा जाएगा। इसकी फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने के लिए राइट्स एजेंसी को काम दिया गया है। इसके अलावा दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट से भी सीधे जेवर एयरपोर्ट को कनेक्ट किया जाएगा।

-डॉ. अरुणवीर, सीईओ, यमुना प्राधिकरण